रक्षा लेखा महानियंत्रक का संदेश

समस्त रक्षा लेखा परिवार को रक्षा लेखा महानियंत्रक के रूप में संबोधित करते हुए मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। 277 वर्षों से अधिक की ऐतिहासिक यात्रा तय कर चुके, भारत सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक का नेतृत्व ग्रहण करते हुए, आज मैं विनम्रता और गहन उत्तरदायित्व की भावना से अभिभूत हूँ। विभाग को उत्कृष्टता और कर्मठता की ऊँचाइयों पर ले जाना हमारा साझा और अत्यंत प्रिय लक्ष्य रहा है। यह एक सतत प्रक्रिया रही है, जिसे हमारे पूर्ववर्तियों और हम सबके द्वारा वर्षों से पुष्ट किया गया है।

हमारे विभाग का प्रमुख लक्ष्य आंतरिक लेखा परीक्षा, लेखांकन, भुगतान और वित्तीय सलाह के अपने मूल कार्यों का निष्पादन करना है ताकि रक्षा संबंधी राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों को पूरा करने के लिए रक्षा वित्त का इष्टतम और परिणामोन्मुखी उपयोग और प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। इसे प्राप्त करने के लिए हमें आधुनिक वित्तीय प्रबंधन अवधारणाओं और तकनीकों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सभी संगठनों को प्रोफेशनल सेवा प्रदान करना और एक बल-संवर्धक के रूप में कार्य करना ही इसका उद्देश्य है।

माननीय प्रधानमंत्री के व्यापार करने की सहजता (ease of doing business) के निर्देश को सुनिश्चित करने के लिए हमें अपनी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को और भी सुव्यवस्थित करना होगा ताकि बेहतर पारदर्शिता, सटीकता और दक्षता सुनिश्चित की जा सके। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आई उन्नतता और हमारे दायित्व की जटिलताओं को देखते हुए यह अति महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपने ज्ञान, कौशल और क्षमता को निरंतर अद्यतन और उन्नत करें और नवीनतम प्रबंधन रुझानों के अनुरूप नवाचारी समाधान अपनायें।

माननीय रक्षा मंत्री ने 2024 के हमारे स्थापना दिवस पर हमें अपने विभाग को 'रक्षा वित्त और अर्थशास्त्र' के क्षेत्र में 'उत्कृष्टता का केंद्र' बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया था। इस संबंध में एक विस्तृत दस्तावेज पहले ही तैयार किया जा चुका है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके लिए हमें अपनी सोच को नई दिशा देनी होगी और अपने मूल कार्यों का पुनर्व्यवस्थापन करना होगा। यह दस्तावेज रक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 को 'सुधार का वर्ष' (Year of Reform) घोषित करने के

अनुरूप है। हमने पिछले वर्ष अपनी पहली 'मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट' जारी की है, जिसमें वित्तीय संसाधनों के उपयोग और उनके आर्थिक प्रभाव के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई है।

रक्षा वित्त और अर्थव्यवस्था के जटिल परिदृश्य में अपनी राह तय करते हुए, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ कि हमारा संगठन सत्यनिष्ठा और प्रोफेशनलिज्म के उच्चतम मानकों को बनाए रखेगा। मेरा विज़न निम्नलिखित मूलभूत स्तंभों पर आधारित है:

1. **रणनीतिक योजना और नवाचार:** अपने मूल कार्यों की बेहतरी के लिए दूरदर्शी रणनीतियों को अपनाने के साथ-साथ नवाचारों का सहारा लेना।

2. **सतर्क, स्फूर्तिवान और अनुकूली:** अति गतिशील और नित परिवर्तनशील परिवेश की चुनौतियों का सामना करना। हर चुनौती एक अवसर है और हर बाधा एक नया मार्ग प्रशस्त करती है।

3. **प्रोफेशनलिज्म और ज्ञान उन्नयन:** अपने ज्ञान आधार को संवर्धित और विस्तृत करना तथा कौशल और योग्यता में निपुणता ग्रहण करने का प्रयास।

4.**दक्षता, मितव्ययिता, प्रभावशीलता और उद्यम (Efficiency, Economy, Effectiveness and Enterprise) के चार ई:** ये चार ई हमारी नीतियों और प्रयासों की आधारशिला होंगे तथा हमारे निर्णय लेने में सहायक रहेंगे।

5.**प्रौद्योगिकी, स्वचालन (ऑटोमेशन), प्रक्रिया सरलीकरण:** सत्यनिष्ठा से समझौता किए बिना सिस्टम और प्रक्रियाओं को सरल, स्वचालित और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित करना। कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), मशीन लर्निंग और डेटा विज्ञान इसके स्तंभ बनेंगे। यह सरकार की गवर्नेंस, डेवलपमेंट और परफार्मेंस (जीडीपी) के अंतर्गत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना के अनुरूप है।

6. **पारदर्शिता और जवाबदेही:** पारदर्शिता का उच्चतम स्तर बनाए रखना और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करना। ईमानदारी और सत्यनिष्ठा हर कार्य की आधारशिला होगी।

7. **सहयोग और प्रोफेशनल विकास:** सहयोग की संस्कृति का पोषण, ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने को प्रोत्साहन और अपने विभाग के प्रोफेशनल विकास में निवेश।

समग्र रूप से विभाग बढ़ती हुई जिम्मेदारियों और संबंधित चुनौतियों का सामना करने के लिए लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए भी निरंतर प्रयास करेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों और समर्पण से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त होंगे और हम रक्षा वित्त और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित कर पाएंगे। मैं आप सबके सहयोग से एक सशक्त, कार्यकुशल और सुदृढ़ विभाग के निर्माण की कामना करता हूँ।

मयंक शर्मा

(डॉ. मयंक शर्मा)

रक्षा लेखा महानियंत्रक